# रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 7 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 62 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे


## मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पर्यटन को एक और अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि मिली

मोहन यादव सरकार की एक और उपलब्धि ने चार चांद लगा दिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य को मिला एक और अंतरराष्ट्रीय तमगा। जर्मनी के बर्लिन में आयोजित ITB बर्लिन

ट्रैवल मार्ट में प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी को प्रतिष्ठित 'ग्रीन डेस्टिनेशंस ब्रॉन्ज' सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की ओर से उज्जैन कमिश्नर श्री आशीष सिंह ने प्राप्त किया। पचमढ़ी यह गौरव प्राप्त करने वाला देश का पहला हिल स्टेशन बन गया है। जो प्रदेश में रिस्पॉन्सिबल और सस्टेनेबल टूरिज्म को नई पहचान देता है।

# 72 घंटे की ड्यूटी के बाद पुलिस का होली सेलिब्रेशन

छत्तीसगढ़ के भिलाई कंट्रोल रूम सेक्टर 6 परिसर में गुरुवार पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों ने हर्ष और उल्लास के साथ होली का जश्न मनाया. इस मौके पर संभाग कमिश्नर पुलिस महानिरीक्षक जिला कलेक्टर और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे सभी ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम में जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र और इकाइयों से पहुंचे पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए कंट्रोल रूम परिसर में आयोजित इस पुलिस होली में सभी ने मिलकर रंग गुलाल लगाया और उत्सव का आनंद लिया. माहौल पूरी तरह से भरा रहा. होली के मुद्दे नजर पुलिस की कड़ी ड्यूटी 2 तारीख से लगातार लगी हुई है. पुलिस के जवान हर मूर्चे पर तैनात रहे, जिले में शांतिपूर्ण तरीके से

होली मनायी जा सके इसके लिए 1200 से ज्यादा जवानों की ड्यूटी लगाई गई थी. करीब 72 घंटे की कठिन ड्यूटी के बाद पुलिस के जवानों ने सेक्टर 6 के कंट्रोल रूम में पुलिस ने होली सेलिब्रेट किया. एसएसपी बोले आज भी सुरक्षा का ध्यान रखा है. एसएसपी विजय अग्रवाल ने कहा 72 घंटे की कठिन ड्यूटी के बाद आज सभी जवानों के साथ होली सेलिब्रेशन का आयोजन रखा गया था. लेकिन इस दौरान भी आज भी जिले में सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी ना हो इसका पूरा ध्यान रखा गया है. लोग आज भी शांति से त्योहार को मना सके इसकी भी व्यवस्था पुलिस के द्वारा की गई है. इस दौरान आईजी, कलेक्टर और संभायुक्त ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर पुलिस जवानों का हौसला बढ़ाया है।

### वाटर कैनन से पानी की बौछार

होली सेलिब्रेशन के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक दूसरे को रंग लगाकर होली की बधाई दी कई पुलिसकर्मियों ने एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई इस दौरान वाटर कैनन से पानी की बौछार हुई. रंग भरा पानी और डीजे की धुन पर सभी पुलिस कर्मचारी अधिकारियों ने जमकर डांस किया।

# इंदौर में रंग पंचमी पर 8 मार्च को निकलेगी रंगारंग गेर डीजे रहेगा प्रतिबंधित, सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

**राजेश धाकड़**

इंदौर में 8 मार्च रविवार को रंग पंचमी का पर्व परंपरागत उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर के निर्धारित मार्गों से विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं द्वारा रंगारंग गेर निकाली जाएगी, जिसमें पूरा शहर रंगों से सराबोर नजर आएगा। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि गेर के दौरान हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। गेर आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, डीसीपी श्री आनन्द कलादगी, एडीएम श्री रोशन राय सहित जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और विभिन्न गेर आयोजक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि गेर की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और यह शहर के

पारंपरिक मार्गों से ही निकाली जाएगी। राधा-कृष्ण फाग यात्रा के साथ टोरी कॉर्नर, मारल क्लब और संगम कॉर्नर सहित कई संस्थाओं द्वारा गेर निकाली जाएगी। आयोजकों ने गेर के रूट और व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रशासन को दी।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने आयोजकों से कहा कि सभी गेर निर्धारित समय और तय क्रम के अनुसार ही निकाली जाएं। उन्होंने विशेष रूप से अनुशासन बनाए रखने और किसी भी प्रकार की हुड़दंग से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि गेर के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछित सामग्री का उपयोग नहीं किया जाए और लोगों पर खतरनाक वस्तुएं नहीं फेंकी जाएं। कलेक्टर ने कहा कि इंदौर की गौरवशाली परंपरा 'गेर' शहर की सांस्कृतिक पहचान है और इसे और बेहतर बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम का पालन किया जाए तथा अश्लील या अभद्र गीत न बजाए जाएं। बैठक में स्पष्ट किया गया कि गेर में डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। केवल अनुमति प्राप्त वाहनों को ही शामिल किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि वाहन चालक लाइसेंसधारी हों, किसी प्रकार के नशे में न हों और वाहनों की फिटनेस भी पूरी तरह ठीक हो। डीसीपी आनन्द कलादगी ने कहा कि गेर के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। पूरे मार्ग पर ड्रोन, सीसीटीवी और वीडियो कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गेर मार्ग को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा और सेक्टर-वार कंट्रोल रूम भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्वागत मंच सड़क के केवल एक ही तरफ लगाए जाएंगे, ताकि यातायात और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो। गेर में किसी भी प्रकार की हुड़दंग, हथियार रखने या असामाजिक गतिविधि करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि गेर के दौरान कोई संदिग्ध गतिविधि या हथियार रखने वाला व्यक्ति दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। शराब पीकर शांति भंग करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और चिकित्सकों की विशेष व्यवस्था की जाएगी। साथ ही गेर में व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्वयंसेवकों की संख्या बढ़ाई जाएगी, जिनमें महिला वालिंटियर भी तैनात रहेंगी और उन्हें पहचान पत्र जारी किए जाएंगे।प्रशासन ने सभी आयोजकों से आपसी समन्वय बनाए रखने और इंदौर की इस ऐतिहासिक और गौरवशाली परंपरा को शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग देने की अपील की है।

# थाना बाणगंगा पर बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया होली पर्व उत्सव

खुशबू श्रीवास्तव

आज धुलंडी के दूसरे दिन पुलिस विभाग ने अपने अपने थानों में अपने साथी स्टाफ के साथ जमकर होली का त्योहार मनाया। चूंकि पूरा पुलिस प्रशासन होली के दिन शहर के चप्पे चप्पे की निगरानी करता है, जिसके कारण शहर में ना के बराबर अपराध होते है। लोगो की सुरक्षा में लगे रहते है। तथा होली के अगले दिन सभी जन अपने अपने थानों में जमकर होली खेलते है। इन्दौर शहर के सबसे बड़े थाना क्षेत्र बाणगंगा में थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने साथी स्टाफ के साथ होली मनाई सभी ने जमकर रंग गुलाल खेला। एक दूसरे को गुलाल लगा कर ,गले मिलकर तथा मिठाई खिलाकर सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामना दी, सभी ने जमकर डांस किया ।

# सत्य की खोज को सही मार्गदर्शन प्रदान करता है सहजयोग

बदलाव उन्नति को दर्शाता है, जिस प्रकार समय के साथ- साथ मानव जीवन-शैली में बदलाव आया है उसी प्रकार समय के साथ- साथ प्रकृति को भी बदलाव करने पड़ते हैं। धरती पर अवतरित हुए सभी अवतरणों ने इस बदलाव की आवश्यकता को अपने-अपने तरीकों से एवं समय जिस प्रकार के तरीकों की मांग करता है उन तरीकों से मनुष्य को सही पथ पे चलने के लिए प्रेरित किया है।सभी के तरीके भले ही भिन्न थे परंतु संदेश एक ही था। इसी विषय पर पर प्रकाश डालते हुए सहजयोग की संस्थापिका श्री माता जी निर्मला देवी जी कहते हैं कि आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है सहजयोग। श्री माता जी साधकों को संबोधित करते हुए समझाते हैं कि प्राचीन काल से चले आ रहे हठयोग, राजयोग आदि उस प्राचीन समय की आवश्यकता थे पर क्योंकि अब मानव विकसित होने की चरम सीमा पर है तो उसे इस बदलाव से मित्रता कर आधुनिक समय की मांग को समझ कर खुद पर कार्य करना होगा, स्वयं को समझना होगा। जो शुद्धता मानव प्राचीन काल में अपने घरों से एवं संबंधियों से दूर रह कर कड़ी तपस्या करने से प्राप्त करता था ताकि वह परमात्मा के प्रेम शक्ति की अनुभूति कर सके, आज के समय में वह शुद्धता, चैतन्य की सतर्कता एवं परमात्मा की प्रेम शक्ति को कुंडलिनी जागरण की सहायता से क्षण भर में अपने सूक्ष्म तंत्र पर महसूस कर सकता है। कुंडलिनी जागरण श्री माता जी के द्वारा दी गई मानवता को एक ऐसी भेंट है जिसने मानव की सत्य-खोज को एक सुंदर आयाम प्रदान किया है। आज के समय विश्व भर में फैला हुआ सहजयोग करोड़ों में सत्य के साधकों द्वारा अपनाया गया है एवं उन सभी ने इस सुंदर अनुभव को अपने अंदर एक सुंदर बदलाव के रूप में देखा है। सहजयोग का प्रथम चरण ही कुंडलिनी जागरण है, जिसकी सहायता से मनुष्य का संबंध परमात्मा की सर्वव्यापी प्रेम शक्ति से हो जाता है और वह सुंदर प्रेम से प्लावित हो जाता है। सभी पौराणिक ग्रंथों में कुंडलिनी जागरण एवं सहजयोग की परिभाषा का वर्णन किया गया है। यदि मनुष्य ही निर्वाज्य प्रेम से भर जाएगा तो विश्व में हो रही धन और सत्ता की अंधी लड़ाई को खत्म कर केवल आपसी प्रेम की भावना रखेगा और इसी प्रकार पूरा विश्व हर भेदभाव को भुलाकर एक हो जाएगा। यही सपना श्री माता जी ने अपनी आँखों में लिए विश्व भर में यात्राएं की और साधकों की कुंडलिनी जागृत की तथा उसी प्रेम के धागे से सभी सहजयोगियों को बांध एक सुंदर विश्व स्थापित करने का संदेश मनुष्य को दिया। यदि आप भी कुंडलिनी जागरण का अनुभव. करना चाहते है या फिर सहजयोग के बारे में जानना चाहते है तो इस टॉल फ्री नम्बर 1800 2700 800 पर कॉल करे।

# किसानों के हित सर्वोपरि, संवाद से निकला समाधान-इंदौर दुग्ध संघ

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। इंदौर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित, इंदौर के परिसर में आज दुग्ध किसानों के प्रतिनिधियों एवं संघ प्रबंधन के बीच सकारात्मक वातावरण में चर्चा संपन्न हुई। इस अवसर पर दुग्ध संघ द्वारा किसान प्रतिनिधियों एवं किसानों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान गुलाल लगाकर होली मिलन समारोह भी बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। संभवतः अपने तरह के पहले इस होली मिलन के दौरान सभी ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं व गले लगाया। संघ के प्रबंधन तथा किसानों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विभिन्न मांगों पर तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट की गई तथा कई मुद्दों पर सहमति बनी।

दुग्ध संघ प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि दुग्ध उत्पादक किसानों के हितों की रक्षा संघ की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दुग्ध उत्पादक किसान दुग्ध संघ परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं।किसानों द्वारा उठाए गए अधिकांश मुद्दों पर पहले से ही कार्रवाई की जा चुकी है या निर्णय की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। संघ प्रबंधन ने बताया कि वर्तमान में 25-26 सीएलआर पर कोई कटौती नहीं की गई है। वर्तमान में पूर्व से संचालित व्यवस्था के अनुसार ही भुगतान किया जा रहा है। दूध के क्रय मूल्य में वृद्धि की मांग के संदर्भ में जानकारी दी गई कि *01 मार्च 2026 से दूध का क्रय मूल्य 820 प्रति किलोग्राम फैट से बढ़ाकर 850 प्रति किलोग्राम फैट कर दिया गया है। आगामी दुग्ध सीजन में बाजार की स्थिति, मांग एवं प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए 900 प्रति किलोग्राम फैट तक वृद्धि किए जाने की संभावना पर भी विचार किया जाएगा। वर्ष *2019-20, 2020-21, 2021-22 के लाभांश एवं दुग्ध समितियों के बोनस वितरण

के संबंध में संघ ने बताया कि लाभ वितरण की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और **शीघ्र ही दुग्ध संघ की वित्तीय स्थिति की अनुकूलता के अनुरूप भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। प्रबंधन ने टेंडर प्रक्रिया के संबंध में उठाए गए सवाल के जवाब में कहा कि इस संदर्भ में पूर्व से प्रचलित सभी नियमों का पालन किया गया है। मिल्क टेस्टिंग सिस्टम को मजबूत करने के लिए दुग्ध संघ द्वारा मौजूदा डेयरी कोऑपरेटिव सोसायटीज एवं नई डेयरी कोऑपरेटिव सोसायटीज को नई व आधुनिक टेस्टिंग मशीनें प्रदान की जा रही है एवं पुरानी मशीनों का उचित रखरखाव के लिए कार्यवाही प्रचलन में है। इंदौर दुग्ध संघ की खास पहल सांची चिकित्सा सहायता योजना नियमबद्ध तरीके से प्रचलन में है। किसान अध्ययन भ्रमण योजना पर पहले ही कार्यवाही हो चुकी है और इसे अतिशीघ्र लागू किया जाएगा। समितियों के कमीशन को बढ़ाने पर विचार विमर्श जारी है। दुग्ध संघ में एनडीडीबी ERP सिस्टम प्रचलन में है जिससे डेयरी वैल्यू चैन लगभग डिजिटलाइज्ड हो गई है। पशुआहार की गुणवत्ता एवं दरों के विषय में प्रबंधन ने बताया कि पशुआहार की गुणवत्ता को और बेहतर करने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। इस हेतु नवीनतम तकनीक पर आधारित मशीन व उपकरणों को प्लांट में स्थापित करने की प्रक्रिया प्रचलन में है। हालांकि कच्चे माल की बाजार दरों में वृद्धि के कारण पशुआहार की विक्रय दरों में आंशिक वृद्धि की गई है। 5 प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि* के संबंध में संघ ने स्पष्ट किया कि दुग्ध संघ द्वारा पहले ही दूध के क्रय मूल्य में 5 प्रति लीटर से अधिक की वृद्धि की जा चुकी है। राज्य शासन द्वारा औपचारिक आदेश जारी होते ही प्रोत्साहन राशि तत्काल प्रभाव से लागू कर दी जाएगी।

संघ ने यह भी बताया कि 15 किलो घी के डिब्बों की आपूर्ति दुग्ध समितियों एवं बाजार में नियमित रूप से की जा रही है*एवं भविष्य में भी यह आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आउटसोर्स अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मानदेय के संबंध में प्रबंधन ने बताया कि उन्हें नियमानुसार उचित मानदेय एवं समय पर वेतन का भुगतान किया जा रहा है। प्रबंधन मानदेय को नियमों के अनुसार बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। इस अवसर पर *इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बलबीर शर्मा* ने कहा "इंदौर दुग्ध संघ सदैव दुग्ध उत्पादक किसानों के हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध रहा है एवं हमेशा रहेगा। किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर आज सकारात्मक संवाद हुआ है और अधिकांश विषयों पर स्थिति स्पष्ट कर दी गई है।

रणजीत टाइम्स



## थाना छत्रिपुरा पुलिस द्वारा होली रंगपंचमी, रमजान त्यौहार को लेकर किया जा रहे प्रभावी गुंडा धरपकड़ अभियान के तहत थाना क्षेत्र का लिस्टेड बदमाश अवैध धारदार व खटकेदार चाकू के साथ धाराया

**खुशबू श्रीवास्तव**

क्षेत्र में चाकू बाजी की किसी घटना को अंजाम देने से पहले ही खटके वाला धारदार चाकू के साथ आरोपी थाना छत्रिपुरा पुलिस की गिरफ्त में पुलिस उपयुक्त संतोष सिंह जी के निर्देशानुसार अपराध नियंत्रण एवं होली रंग पंचमी रमजान आदि त्योहारों को ध्यान में रखते हुए बदमाशों एवं सामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रख प्रभावी कार्यवाही के लिए चलाए जा रहे हैं अभियान के प्राथमिक एवं पुलिस उपायुक्त जॉन 4 आनंद कलगी के निर्देशन में अतिरिक्त बुलाई उपयुक्त विशेष अग्रवाल व सहायक पुलिस आयुक्त सराफा विजय तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी छतरीपुरा संजय श्रीवास्तव द्वारा थाने में लिस्टेड बदमाशों की चेकिंग संधि का दो की चेकिंग के लिए एक टीम गठित कि वह थाना क्षेत्र में रवाना किया गया दिनांक 6 3.2026 को गुंडा चेकिंग दौरान उत्तर टीम को थाना छतरीपुरा का लिस्टेड बदमाश उमेश पिता सदाशिव बनेल दिखा जो पुलिस को देखकर भागने लगा पुलिस बल द्वारा उक्त बदमाश को गहरा बंदी कर पकड़ा तलाशी लेने पर बदमाश उमेश पिता सदाशिव बनेल के कब्जे से अवैध धारदार खटकेदार चाकू मिला आरोपी के विरोध अधिनियम की धारा 25, 25(1बी ) के अंतर्गत अपराध पंजीकृत कर विधिवत कार्रवाई की गई उक्त सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय श्रीवास्तव हितेश भास्कर

धर्मेंद्र पाठक अरुण सिंह चौहान भूपेंद्र सिंह देवेंद्र जाट विनोद करोसिया की मुख्य भूमिका रही।

## थाना चन्दन नगर पुलिस की त्वरित कार्यवाही

# घटना के पश्चात चंद घण्टो मे थाना चंदन नगर का कुख्यात बदमाश सादिक काला व फयाज मंसूरी चन्दन नगर पुलिस की गिरफ्त में

**खुशबू श्रीवास्तव**

आरोपी सादिक काला हत्या के 02प्रकरण मे दोषसिद्ध अपराधी है । आरोपी के विरूद्ध दर्ज है 01 दर्जन से अधिक अपराध आरोपी शादिक से घटना मे प्रयुक्त अवैध प्रतिबंधित चाकू जप्त थाना प्रभारी ने मौके घटना स्थल पर आमलोगों से अपील की है कि आदतन गुंडा बदमाश शादिक से डरने की जरूरत नहीं उसके खिलाफ भयमुक्त हो के रिपोर्ट/ कथन साक्ष्य करे। घटना स्थल पर उपस्थित आमजनों ने तालियां बजा कर पुलिस का आभार व्यक्त किया। दिनांक 06/03/2026 को फरियादिया नसीम बी तथा सिद्दीक पठान ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि थाना क्षेत्र का कुख्यात गुंडा बदमाश सादिक काला पिता गुलफाम निवासी सहयोग नगर इन्दौर ने अपने साथियो अज्जु बटला व फैयाज के साथ मिलकर फरियादी के घर मे घूसकर चाकू दिखाकर डराया धमकाया व गाली गलौच व मारपीट कर अवैध रूपये की माँग किया , फरियादीगण के रिपोर्ट पर प्रथक प्रथक अपराध धारा 119(1),331(6),115(2),296(ए),351(3),3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया ।

घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए थाना प्रभारी चन्दन नगर द्वारा विशेष पुलिस टीम का गठन कर आरोपी की तलाश पतारसी हेतु लगाया गया । पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही कर आरोपीगण (1) सादिक उर्फ काला पिता गुलफाम उम्र 44 निवासी सहयोग नगर इन्दौर तथा (2) फयाज पिता जाकिर उम्र 23 वर्ष निवासी ई सेक्टर चन्दन नगर इन्दौर को हिरासत मे लिया गया तथा आरोपी सादिक उर्फ काला से घटना मे प्रयुक्त खटकेदार लोहे का धारदार चाकू जप्त किया । आरोपी सादिक उर्फ काला पूर्व से हत्या के प्रकरण मे दोषसिद्ध अपराधी है । आरोपी के विरूद्ध पूर्व से हत्या , हत्या का प्रयास , अवैध शस्त्र रखने, अडीबाजी , गाली गलौच व जान से मारने की धमकी के करीब 14 अपराध पंजीबद्ध है । आरोपी का क्षेत्र मे प्रभाव एवं आमजन के मन मे आरोपी का भय खत्म करने एवं जनता का हौसला बढाने के लिए चन्दन नगर पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास रानी पैलेस एवं आरोपी के सामान्य बैठक स्थल लाल स्कूल के पास जुलुस निकाला गया । जुलुस के दौरान आरोपी सादिक उर्फ काला द्वारा रोड पर घूटनो के बल टिककर आमजन से माफी माँगी और दोबारा अपराध न करने की कसम खाई । उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी चन्दन नगर निरीक्षक तिलक कारोले एवं पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

# भारतीय शिक्षा का वैश्वीकरण आवश्यक

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हाल में कहा कि भारतीय उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण देश की प्रगति और सर्वांगीण विकास के लिए एक आवश्यक तत्व है। उनके अनुसार दुनिया भर में भारतीय शिक्षा और शोध की समृद्ध नवोन्मेषी परंपरा तथा इसके गतिशील वर्तमान का अकादमिक वृत्तांत प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। यह लक्ष्य तभी संभव होगा, जब शिक्षा और शोध के क्षेत्र में हमारी वैश्विक आवाजाही तथा ज्ञान का आदान-प्रदान बढ़ेगा। वे निरंतर इस पर भी बल देते रहे हैं कि उच्च शिक्षा के इस वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विज्ञान और समाज विज्ञान को परस्पर समन्वय के साथ कार्य करना होगा। जब तक विज्ञान और समाज विज्ञान परस्पर समन्वय के साथ कार्य नहीं करेंगे, तब तक भारतीय शोध का नवोन्मेष अधूरा रहेगा। तकनीकी और सामाजिक विषयों के एकीकृत प्रयास भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

जहां तक समाज विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण का प्रश्न है, इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श की तत्काल आवश्यकता है। पहली महत्वपूर्ण बात यह है कि दुनिया के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की रुचि केवल भारत के आइटी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारतीय समाज विज्ञान में भी गहरी रुचि ले रहे हैं। उनके लिए भारत सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश और सबसे बड़ा विकासशील बाजार भी है। ऐसे में भारत के वर्तमान इतिहास, सामाजिक संरचना और उभरती आर्थिकी को समझना उनके लिए एक बड़ी बौद्धिक चुनौती और अवसर है। दूसरा बिंदु यह है कि भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के आगमन का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इन संस्थानों में लिबरल स्टडीज, समाज विज्ञान और कौशल विकास के लिए पर्याप्त स्थान होगा। यह भारतीय छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप सामाजिक विषयों के अध्ययन का अवसर प्रदान करेगा। तीसरा और सबसे अहम पहलू यह है कि वर्तमान में दुनिया के विभिन्न देशों के बीच केवल आर्थिक विकास की ही प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक शोधों के साथ-साथ बाजार, राजनीतिक आर्थिकी और समाज वैज्ञानिक विमर्शों के बीच एक वैचारिक टकराहट भी चल रही है।

प्रत्येक विकसित और विकासशील राष्ट्र चाहता है कि उसकी सफलता और विशिष्टता का नैरेटिव उसके आर्थिक प्रभाव के विस्तार को मजबूती दे। जो वैश्विक कारपोरेट घराने पूरी दुनिया में अपने व्यापार का विस्तार कर रहे हैं, उन्हें भी अपनी रणनीतियों के लिए न केवल वैज्ञानिक, बल्कि समाज वैज्ञानिक वृत्तांत चाहिए। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा बढ़ रहा है, जिसे अब सुदृढ़ अकादमिक और समाज वैज्ञानिक शोधपरक वृत्तांतों के समर्थन की आवश्यकता है, पर विडंबना यह है कि वर्तमान में अधिकांश समाज वैज्ञानिक शोधों में हम अपने समाज, विकास और आर्थिकी के सकारात्मक तत्वों को खोजने के बजाय नकारात्मक विमर्शों में ही उलझे हुए हैं। प्रतिष्ठित समाज वैज्ञानिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों को अब इस दिशा में सार्थक एवं सकारात्मक पहल करने की महती आवश्यकता है। इसी दिशा में टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज एक महत्वपूर्ण अकादमिक पहल 'टीस-ग्लोबल' के नाम से शुरू करने जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत दुनिया भर के उन विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा।

# 29 मार्च से भोपाल एयर कनेक्टिविटी में बदलाव, नवीं मुंबई की नई फ्लाइट शुरू, गोवा और अहमदाबाद की उड़ानों में कटौती

**भोपाल। 29 मार्च से लागू होने वाले समर शेड्यूल में इस बार भोपाल की एयर कनेक्टिविटी बढ़ने के बजाय कम होने जा रही है।एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने हाल ही में शुरू हुए नवीं मुंबई एयरपोर्ट से भोपाल के लिए सीधी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है, लेकिन इसके साथ ही कंपनी मुंबई की अपनी एक मौजूदा उड़ान बंद करने जा रही है। इसके अलावा गोवा और अहमदाबाद की उड़ानों को भी बंद करने का प्रस्ताव सामने आया है।**

### नवीं मुंबई से भोपाल के लिए नई उड़ान

हाल ही में शुरू हुए नवीं मुंबई एयरपोर्ट से देश के कई प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें शुरू की गई हैं। अब इस सूची में भोपाल का नाम भी शामिल हो गया है। इंडिगो ने 29 मार्च से नवीं मुंबई और भोपाल के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने इसके लिए स्लॉट भी ले लिया है और फ्लाइट का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यात्रियों के लिए इस उड़ान की बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। इस नई उड़ान का शुरुआती किराया लगभग चार से पांच हजार रुपये के बीच रखा गया है।

### मुंबई की एक उड़ान होगी बंद

नवीं मुंबई के लिए नई उड़ान शुरू करने के साथ ही इंडिगो ने भोपाल से मुंबई जाने वाली अपनी एक उड़ान बंद करने का निर्णय लिया है। इसके बाद 29 मार्च से भोपाल और मुंबई के बीच इंडिगो की केवल एक ही उड़ान संचालित होगी।

गोवा और अहमदाबाद उड़ानों पर भी असर समर शेड्यूल में भोपाल से गोवा और अहमदाबाद की उड़ानों को बंद करने का प्रस्ताव भी सामने आया है। गोवा की उड़ान करीब छह महीने पहले ही शुरू की गई थी, इसलिए इसे बंद किए जाने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। ट्रेवल एजेंटों के अनुसार गोवा की इस उड़ान को लगभग 80 प्रतिशत यात्रियों का लोड मिल रहा था, इसके बावजूद इसे बंद करने का प्रस्ताव आश्चर्यजनक माना जा रहा है।

### एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों का शेड्यूल जारी नहीं

एयर इंडिया की सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी समर सीजन के लिए दो नई उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। हालांकि अब तक इन उड़ानों का शेड्यूल जारी नहीं किया गया है, जिससे यात्रियों को अभी इंतजार करना पड़ रहा है।

# भिंड के ऊमरी में गुलाल लगाने पर मारपीट दोंनों पक्षों ने किया लाठी डंडों से हमला

भिण्ड के ऊमरी थाना क्षेत्र के कोडा गांव में महिला के गुलाल लगाने पर दो पक्षों में विवाद हो गया एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी डंडों से हमला किया. इस घटना में चार लोगों के चोटें आई है. जिसमें तीन लोगों को जिला

अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है घटना शुक्रवार सुबह करीब 11:00 बजे की बताई जा रही है. महिला सीमा का कहना है कि दो लोग आए और वे गुलाल लगाने लगे जब मैंने मना किया तो दोनों ने मुझे जमीन पर पटक दिया जब मैं चिल्लाई तो मेरे जीजा और मेरे पति आ गये इस पर प्रदीप व हरि विलास में लाठी डंडों से हमला कर दिया, जिससे जीजा धरमा के चोट आई है. वही मेरे पति के भी छोटे आई है. आरोपियों ने मुझे भी पीटा है. हम लोगों ने अकोडा चौकी पर शिकायत की इस पर पुलिस ने एंबुलेंस से उपचार हेतु भेज दिया है।

इधर अंजलि प्रजापति का कहना है कि मेरे भाई और दादा को कुछ लोग पीट रहे थे हम लोग आए तो उन्होंने लाठी डंडों से हमला कर दिया इस घटना में मेरे भाई प्रदीप दादा हर विलास छोटे भाई के चोट आई है. हम लोगों ने पुलिस थाने में शिकायत की है. उसके बाद जिला अस्पताल में उपचार कराने के लिए आए हैं।

# होली: दहन से रंगों तक प्रकृति का संदेश

जब शीत ऋतु की नीरवता धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है और वसंत की कोमल आहट धरती को स्पर्श करती है, तब प्रकृति स्वयं नवजीवन का उत्सव मनाती प्रतीत होती है। वृक्षों पर फूटती नई कोंपलें, खेतों में लहलहाती सरसों और हवाओं में घुली पुष्पों की सुगंध इस परिवर्तन की सजीव अनुभूति कराती हैं। यह समय प्रकृति के पुनर्जागरण का होता है, जब चारों ओर जीवन की नई ऊर्जा दिखाई देती है। वसंत हमें यह सिखाता है कि परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। शुष्कता के बाद हरियाली और निस्तब्धता के बाद जीवन का संचार इसी क्रम का भाग है। इसी परिवर्तन के मध्य आने वाला होली का पर्व मानव जीवन को नवसृजन, संतुलन और सकारात्मकता के इसी संदेश से जोड़ता है।

### दहनः शुद्धि और नवआरंभ का प्रतीक

होली का प्रारंभ होलिका दहन से होता है, जो शुद्धि और नवआरंभ का द्योतक है। प्रकृति भी समय-समय पर अपने पुराने स्वरूप का त्याग कर नए जीवन के लिए स्थान बनाती है। वृक्ष सूखे पत्तों को छोड़कर नवपल्लवों का स्वागत करते हैं, जिससे सृजन की प्रक्रिया निरंतर बनी रहती है। होलिका दहन हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए नकारात्मक विचारों, अहंकार और कटुता का त्याग आवश्यक है। यह अग्नि आत्मचिंतन और आंतरिक शुद्धि के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर होने का संदेश देती है।

### रंगः प्रकृति की विविधता और जीवन का उत्सव

दहन के पश्चात रंगों का उत्सव आरंभ होता है, और यही वह समय है जब प्रकृति अपने सबसे सुंदर स्वरूप में दिखाई देती है। टेसू के फूलों की केसरिया आभा, नई पत्तियों की हरियाली और निर्मल आकाश सृष्टि के नवजीवन का संकेत देते हैं। यह वातावरण मन में उत्साह और नवीन ऊर्जा का संचार करता है। रंग केवल बाहरी सौंदर्य का माध्यम नहीं, बल्कि भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति भी हैं। वे संबंधों में स्नेह, विश्वास और आत्मीयता को सुदृढ़ करते हैं। विविध रंग सामंजस्य का संदेश देते हैं, जो समाज में एकता और संतुलन की भावना को मजबूत बनाते हैं।

### ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार होली के पारंपरिक उपाय

ज्योतिष परंपरा में होलिका दहन को ग्रह शांति और शुभता से संबंधित महत्वपूर्ण समय माना गया है। इस अवसर पर श्रद्धापूर्वक किए जाने वाले कुछ पारंपरिक उपाय इस प्रकार हैं 1. सुख-समृद्धि हेतु विशेष आहुतिः घी में भिगोई हुई लौंग, बताशा और पान का पत्ता अग्नि में समर्पित करना पारिवारिक सुख और स्थिरता से संबंधित माना गया है।

# बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- कहीं भी नमाज अदा करने का नहीं दे सकते अधिकार; समझें क्या है पूरा मामला

बॉम्बे हाई कोर्ट ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास टैक्सी और ऑटो रिक्शा चालकों को रमजान के दौरान नमाज पढ़ने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि रमजान इस्लाम का महत्वपूर्ण धार्मिक महीना है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान पर नमाज पढ़ने का अधिकार मांग सकता है। खासकर एयरपोर्ट जैसे संवेदनशील और उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

### सुरक्षा को धर्म से ऊपर बताया

जस्टिस बी.पी. कोलाबावाला और जस्टिस फिरदौस पूनीवाला की पीठ ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान कहा कि अदालत सुरक्षा संबंधी चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि एयरपोर्ट परिसर और उसके आसपास का क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील होता है, जहां किसी भी तरह की भीड़ या अस्थायी व्यवस्था सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि धर्म चाहे जो भी हो, सुरक्षा सबसे पहले है और इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

### अस्थायी शेड हटाए जाने के बाद दाखिल हुई थी याचिका

यह मामला टैक्सी-रिक्शा ओला-उबर मेंस यूनियन द्वारा दाखिल याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बने एक अस्थायी शेड के नीचे नमाज अदा करते थे। हालांकि, पिछले वर्ष अधिकारियों ने उस शेड को हटा दिया था। यूनियन ने अदालत से मांग की थी कि उन्हें उसी स्थान पर नमाज पढ़ने की अनुमति दी जाए या फिर आसपास किसी अन्य स्थान को इसके लिए निर्धारित किया जाए।

### वैकल्पिक स्थानों का सर्वे, लेकिन नहीं मिली उपयुक्त जगह

इससे पहले अदालत ने पुलिस और एयरपोर्ट प्राधिकरण को निर्देश दिया था कि वे आसपास के क्षेत्रों का सर्वे कर यह देखें कि क्या नमाज के लिए कोई अन्य स्थान उपलब्ध कराया जा सकता है। गुरुवार को अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट अदालत में पेश की। रिपोर्ट में बताया गया कि सात अलग-अलग स्थानों का सर्वे किया गया, लेकिन भीड़, सुरक्षा चिंताओं और एयरपोर्ट के विकास कार्यों के कारण कोई भी जगह उपयुक्त नहीं पाई गई। कोर्ट ने मदरसे में नमाज पढ़ने की दी सलाह रिपोर्ट देखने के बाद अदालत ने कहा कि वह इस मामले में कोई राहत नहीं दे सकती। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को सलाह दी कि वे आसपास मौजूद धार्मिक स्थलों का उपयोग करें। कोर्ट ने बताया कि प्रस्तावित स्थान से करीब एक किलोमीटर के भीतर एक मदरसा मौजूद है, जहां नमाज अदा की जा सकती है। अदालत ने यह भी कहा कि भविष्य में टर्मिनल-1 के पुनर्विकास के दौरान यदि संभव हुआ तो याचिकाकर्ता अपनी मांग एयरपोर्ट प्राधिकरण के सामने रख सकते हैं।

# बगैर अनुमति के आयोजन करने पर प्रतिबंध

इंदौर। इंदौर नगर मेट्रोपॉलिटन की सीमा में कानून व्यवस्था को कायम रखने/जन सामान्य के हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु इन्दौर नगरीय सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। इस संबंध में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार इंदौर नगरीय सीमा में कोई भी धार्मिक संस्था/राजनैतिक संगठन/अन्य समूह जैसे वेतन भोगी, शासकीय कर्मचारी आदि संगठन जब तक किसी आयोजन की विधिवत् सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त नहीं कर लेते, तब तक उस आयोजन को करना प्रतिबंधित किया गया है। सभी प्रकार के जुलूस, धरना प्रदर्शन, धार्मिक आयोजन, विवाह आयोजन, जन्म दिवस आयोजन आदि में किसी भी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र अथवा विस्फोटक सामग्री का उपयोग व रखरखाव किया जाना भी प्रतिबंधित होगा। ऐसे जनसमूह जो एकत्रित होकर सार्वजनिक स्थानों पर यातायात बाधित कर आवागमन प्रभावित कर कानून व्यवस्था एवं लोक शांति भंग करते हैं प्रतिबंधित होंगे। किसी भवन, सार्वजनिक स्थान एवं निजी स्थान पर एवं ऐसी किसी भी वस्तु जिससे किसी जन सामान्य को खतरा महसूस हो एवं आपत्तिजनक हथियार, अस्त्र-शस्त्र, विस्फोटक सामग्री का संधारण प्रतिबंधित होगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

# 'सरस्वती अभियान' से शिक्षा की मुख्यधारा में पुनः आएगी शाला त्यागी बालिकाएँ

इंदौर। प्रदेश में शाला त्यागी बालिकाओं को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत 'सरस्वती अभियान' की शुरुआत की है। इस नवाचार के माध्यम से वे बालिकाएँ जो किसी सामाजिक, पारिवारिक या आर्थिक कारण से विद्यालय छोड़ चुकी हैं, उन्हें फिर से शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा। राज्य स्तर पर इस अभियान को नई दिशा देने के लिए 10 मार्च को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। कार्यक्रम में शाला त्यागी बालिकाओं को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए विभाग की कार्य योजना और नवाचारों की जानकारी भी दी जाएगी।

अभियान में राज्य ओपन स्कूल प्रणाली के माध्यम से बालिकाओं को कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा। उन्हें अध्ययन सामग्री, मार्गदर्शन, संपर्क कक्षाएँ और मेंटोरिंग की सुविधा भी प्रदान की जाएगी, ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें और आगे की शिक्षा या रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार प्रदेश में बड़ी संख्या में बालिकाएँ कक्षा 8वीं, 10वीं या 12वीं से पहले ही विद्यालय छोड़ देती हैं। शिक्षा छूटने के बाद उन्हें पढ़ाई जारी रखने का अवसर नहीं मिल पाता, जिससे उनकी शिक्षा अधूरी रह जाती है और उनके भविष्य के अवसर सीमित हो जाते हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह समस्या अधिक गंभीर रूप में सामने आती है। चुनौती को ध्यान में रखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शुरू किए जा रहे सरस्वती अभियान के अंतर्गत शाला त्यागी बालिकाओं की पहचान के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा, उन्हें राज्य ओपन स्कूल में नामांकित किया जाएगा। परीक्षा की तैयारी के लिए अध्ययन सामग्री और शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही मेंटोरिंग और काउंसलिंग के माध्यम से बालिकाओं को परीक्षा में सफल होने के लिए निरंतर सहयोग दिया जाएगा। अभियान के तहत परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली बालिकाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर आगे की शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मसम्मान का विकास करना भी है।

# भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए मिली 30 दिन की 'स्पेशल छूट', ईरान से जंग के बीच ट्रंप ने दी खुशखबरी

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच भारत में तेल संकट का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच भारत को लेकर अमेरिका ने अहम फैसला लिया है। अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने की 30 दिन की अस्थायी छूट दे दी है। दरअसल, जो अमेरिका भारत पर रूसी तेल आयात कम करने का दबाव बना रहा था, उसी अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने अब भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की इजाजत दे दी है। इससे समुद्र में अटके उन रूसी टैंकरों (तेल जहाजों) को राहत मिलेगी, जिनके खरीददार नहीं मिल रहे थे।

## समुद्र में क्यों खड़े थे टैंकर?

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, रूस के तेल टैंकर समुद्र में इसलिए खड़े थे क्योंकि नए अमेरिकी प्रतिबंधों और भुगतान, बीमा की अनिश्चितता की वजह से उनका तेल तुरंत उतारा नहीं जा रहा था। अमेरिकी की तरफ से रूसी तेल टैंकरों पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया था। जिसके चलते कई जहाजों के बीमा, भुगतान और पोर्ट एंट्री पर सवाल खड़े हो गए।

## अमेरिका ने क्या कहा?

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक ऊर्जा बाजारों को स्थिर करने के प्रयास के लिए अमेरिकी की ओर से यह कदम उठाया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री बेसेंट ने भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका का आवश्यक भागीदार बताते हुए X पर एक पोस्ट में लिखा, "राष्ट्रपति ट्रंप के ऊर्जा एजेंडे के परिणामस्वरूप तेल और गैस उत्पादन अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

## 30 दिनों की अस्थायी छूट

वैश्विक बाजार में तेल का प्रवाह जारी रखने के लिए, वित्त विभाग भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट जारी कर रहा है। यह जानबूझकर उठाया गया अल्पकालिक कदम रूसी सरकार को कोई महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ नहीं देगा क्योंकि यह केवल समुद्र में फंसे तेल से संबंधित लेनदेन को ही अधिकृत करता है। भारत संयुक्त राज्य अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है, और हमें पूरी उम्मीद है कि नई दिल्ली अमेरिकी तेल की खरीद बढ़ाएगी। यह अंतरिम उपाय ईरान द्वारा वैश्विक ऊर्जा को बंधक बनाने के प्रयास से उत्पन्न दबाव को कम करेगा।"

### दुबई में फंसे 250 से ज्यादा भारतीयों का सहारा बन

## दी फार्महाउस पनाह एक फोन कॉल से शुरू हुई मदद की पहल, निजी वाहनों से फार्महाउस पहुंचाया

दुबई/ अमेरिका-इजराइल और ईरान होने से बीच चल रहे तनाव के बीच खाड़ी देशों में हवाई सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। फ्लाइट्स कई अचानक रद्द बड़ी संख्या में भारतीय दुबई और आसपास के क्षेत्र में फंस गए हैं। उद्योगपति धीरज जैन ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए दुबई में अपने निजी फार्महाउस के दरवाजे भारतीयों के लिए खोल दिए हैं। धीरज जैन ने फंसे हुए भारतीयों को निजी वाहनों से अजमानी स्थित अपने फार्महाउस तक पहुंचवाया और वहां उनके रहने, खाने-पीने तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की निशुल्क व्यवस्था की है। वर्तमान में यहां करीब 250 भारतीय रह रहे हैं, जबकि फार्महाउस पर 500 लोगों तक के ठहरने की तैयारी की गई है। ऐसे में जैन मदद कर रहे हैं।

टीम, दोस्त और परिवार भी सेवा में जुटे

इस पूरी व्यवस्था को संभालने में धीरज जैन की ऑफिस टीम, दोस्त और रिश्तेदार भी उनके साथ जुटे हुए हैं। उनकी पत्नी ममता, 14 वर्षीय बेटा जैमन और 11 वर्षीय बेटी जीविका भी पिछले तीन दिनों से लगातार फार्महाउस पर रहकर लोगों की मदद कर रहे हैं। भारत में वे "जैनम जीविका फाउंडेशन" का संचालन करते हैं। कुछ ही घंटों में आने लगे सैकड़ों कॉल, करीब 5 हजार का भोजन प्रबंधन जैसे ही फार्महाउस की व्यवस्था का संदेश वहशीपन के माध्यम से साझा किया गया, कुछ ही घंटों में सैकड़ों कॉल और मैसेज आने लगे। लोगों ने बताया कि उनकी फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं और होटल में भी उन्हें जगह नहीं मिल रही है। धीरज जैन और उनकी टीम ने तुरंत फार्महाउस पर तैयारियां शुरू कर दीं। वहां पहले से 100 गद्दे मौजूद थे, लेकिन तुरंत 400 और गद्दे मंगवाए गए। फार्महाउस परिसर में टेंट लगाए गए और बड़ी संख्या में लोगों के रहने की व्यवस्था की गई। फार्महाउस पर बड़ी संख्या में लोगों के ठहरने की संभावना को देखते हुए 500 लोगों के लिए 10 दिनों का राशन मंगवाया गया। इस तरह लगभग 5000 लोगों के भोजन के बराबर राशन की व्यवस्था की गई है। पहले दिन करीब 75 लोग फार्महाउस पहुंचे। दूसरे दिन यह संख्या बढ़कर लगभग 180 हो गई और अब यहां करीब 250 भारतीय रह रहे हैं।

# होली के दिन मध्य प्रदेश में हुई 948 दुर्घटनाएं, ड्रिंक एंड ड्राइव की वजह से भी हुए हादसे

इंदौर। होली के त्योहार पर मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या में लोग सड़क हादसों और अन्य दुर्घटनाओं के कारण घायल हुए। आंकड़ों के मुताबिक 108 एंबुलेंस सेवा ने होली के दिन 948 दुर्घटनाओं में सहायता प्रदान की। इनमें सागर जिले में सबसे अधिक 67 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इसके बाद विदिशा में 55 मामले दर्ज हुए। इंदौर राज्य में तीसरे स्थान पर रहा, जहां होली के दिन 46 दुर्घटनाएं हुईं। जबलपुर में 45 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि रीवा और सतना में 42-42 घटनाएं हुईं, जिससे ये जिले होली के दौरान सबसे अधिक आपात स्थितियों वाले जिलों में शामिल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों के दौरान अक्सर तेज गति से वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन चलाने और रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलने आने वाले लोगों की आवाजाही बढ़ने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि देखी जाती है। आपातकालीन प्रतिक्रिया दल पूरे दिन जिलों में आपातकालीन कालों पर सहायता प्रदान करने के लिए सक्रिय रहे।

अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने के कारण भी लोग सड़क हादसों का शिकार हुए हैं। इनमें से कई लोग गंभीर अवस्था में अस्पतालों में भर्ती हैं। वहीं, इंदौर में सड़क हादसों में कुछ लोगों ने अपनी जान भी गंवाई है। हर वर्ष होली के त्योहार पर आम दिनों के मुकाबले दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं।

### यातायात नियमों का पालन करना जरूरी

अधिकारियों द्वारा बार-बार जिम्मेदारी से उत्सव मनाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की जाती है, लेकिन यह आंकड़े बताते हैं कि लोग नियमों को लेकर कितने जागरूक हैं। प्रमुख शहरों में दुर्घटनाओं के मामलों में इंदौर तीसरे स्थान पर है। यहां वाहनों की भारी आवाजाही होती है और उत्सवों पर जगह-जगह भीड़ भी रहती है। एमवाय अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि होली के दिन दुर्घटनाएं अधिक होती हैं। इसके लिए अस्पताल के एमरजेंसी विभाग में विशेषज्ञों की टीम बढ़ा दी जाती है। नागरिकों से अपील है कि वे शराब के नशे में वाहन न चलाएं और त्योहारों के दौरान ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन करें।

भारत-4

2007, 2014, 2024, 2026

इंग्लैंड-3

2010, 2016, 2022

पाकिस्तान-3

2007, 2009, 2022

श्रीलंका-3

2009, 2012, 2014

## अक्षर के कैच, बुमराह-हार्दिक के वो 2 ओवर, संजू की हिटिंग...

# भारत ने इंग्लैंड का सपना यूं किया चकनाचूर

**मुंबई, एजेंसी**

भारतीय टीम आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गई है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को सात रनों से पराजित किया। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 254 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए वो सात विकेट पर 246 रन ही बना सका। अब भारतीय टीम फाइनल में 8 मार्च को न्यूजीलैंड का सामना करेगी।

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम की बल्लेबाजी इस मैच में काफी शानदार रही, वहीं गेंदबाजी में कुछ कमजोर कड़ियां जरूर नजर आईं। जबकि फील्डिंग टीम इंडिया की दमदार रही। वैसे पिच भी बैटिंग के मुफीद थी, तभी दो इस मुकाबले में करीब 500 रन बने। अक्षर पटेल ने इस मैच में जैसी फील्डिग की, वो गेमचेंजिंग साबित हुआ। अक्षर ने इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रूक का हवा में उड़ता कैच लिया। बाद में अक्षर ने विल जैक्स को पवेलियन लौटाने में अहम भूमिका निभाई, जो क्रीज पर पूरी तरह सेट हो चुके थे। यही नहीं अक्षर ने फिल साल्ट का भी कैच लेकर टीम को पहली कामयाबी दिलाने में अपना रोल निभाया।

### बुमराह-हार्दिक ने पलट दिया मैच

मैच के टर्निंग पॉइंट्स इंग्लिश पारी के 18वें और 19वें ओवर रहे। 18वां ओवर जसप्रीत बुमराह ने डाला, जिसमें केवल 6 रन आए। वहीं 19वां ओवर हार्दिक पंड्या ने किया, जहां उन्होंने सिर्फ 9 रन खर्च किए और सैम करन का विकेट भी लिया। इन दो ओवरों के चलते इंग्लैंड को जीत के लिए आखिरी ओवर में 30 रन बनाने थे, जो काफी मुश्किल टास्क था। बल्लेबाजी में संजू सैमसन ने भारत के लिए कमाल का प्रदर्शन किया। संजू ने 42 गेंदों में 89 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी पारी में 8 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इंग्लैंड के गेंदबाज उन्हें रोकने के लिए प्रयासरत रहे, लेकिन सैमसन ने सभी प्रयासों को नाकाम कर दिया। हालांकि हैरी ब्रूक ने जरूर उनका कैच ड्रॉप टपकाया था, तब सैमसन 15 रनों पर थे।

### भारत लगातार दूसरी बार पहुंचा फाइनल में

भारतीय टीम लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप के पिछले संस्करण में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हराकर इतिहास रचना चाहेगी। अब तक कोई भी मेजबान टीम टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाई है। साथ ही लगातार दो बार किसी टीम ने टी20 वर्ल्ड कप खिताब नहीं जीता

# निगम-मंडल और एल्डरमैन की नियुक्ति के लिए मप्र में कसरत पूरी

**भोपाल। मध्यप्रदेश में लंबे समय से प्रतीक्षित निगम-मंडल की नियुक्तियों को लेकर सियासत तेज हो गई है। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संकेत दिया है कि पार्टी की ओर से नाम लगभग तय कर लिए गए हैं और अब केंद्रीय नेतृत्व की मुहर के बाद सूची जल्द जारी की जा सकती है।**

पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में श्री खंडेलवाल ने कहा कि प्रदेश संगठन अपने हिस्से का काम पूरा कर चुका है। अब अंतिम निर्णय केंद्रीय नेतृत्व के स्तर पर होना है। उन्होंने बताया कि पार्टी की प्राथमिकता पहले संगठन की सभी नियुक्तियों को पूरा करना है, जिसके बाद निगम-मंडल की सूची जारी की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि एल्डरमैन की नियुक्तियों के बाद ही निगम-मंडल के पदों की घोषणा की जाएगी। इससे संकेत मिल रहा है कि लंबे समय से इंतजार कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को जल्द जिम्मेदारी मिल सकती है।

**कांग्रेस से आए नेताओं को भी मिलेगा मौका**

श्री खंडेलवाल ने यह भी इशारा किया कि कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए योग्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी मौका दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने साफ किया कि हारे हुए नेताओं और पूर्व मंत्रियों को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। पार्टी युवाओं और काबिल कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने पर ज्यादा फोकस करेगी।

**अप्रैल में होगी पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक**

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि नई प्रदेश कार्यकारिणी की पहली कार्यसमिति बैठक अप्रैल में आयोजित की जाएगी। इसके बाद हर तीन महीने में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक नियमित रूप से होगी।अब राजनीतिक गलियारों में नजर इस बात पर टिकी है कि निगम-मंडल की बहुप्रतीक्षित सूची कब जारी होती है और उसमें किन नेताओं को जगह मिलती है।

# पूर्व RTO आरक्षक सौरभ शर्मा मामले में आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई, 52 किलो सोना व करोड़ों की नकदी फाइनली अटैच

मध्य प्रदेश में करोड़ों की काली कमाई के आरोपित परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के यहां लोकायुक्त के छापे में मिला 52 किलो सोना और 11.60 करोड़ नकदी आयकर विभाग ने अंतिम रूप से अटैच कर ली है। दरअसल, सौरभ और उसके सहयोगी चेतन गौर ने यह सोने और नकदी अपनी होने से इन्कार कर दिया और जांच में इसके वास्तविक मालिक का पता नहीं लग सका है। नतीजतन, आयकर विभाग ने यह कार्रवाई की है। अंतिम रूप से अटैच करने का अर्थ है कि बेनामी संपत्ति और इसे केस समाप्त किए जाने की प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है। हालांकि अभी लोकायुक्त पुलिस को इस मामले में चालान प्रस्तुत करना है।

### लोकायुक्त छापे में हुआ था बड़ा खुलासा

बता दें कि सौरभ शर्मा के इस मामले में संभावना थी कि मामले की पड़ताल से राज्य परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का नेताओं से लेकर अधिकारियों तक का गठजोड़ उजागर हो

सकता है, क्योंकि 19 दिसंबर 2024 को सौरभ के भोपाल स्थित कार्यालय और आवास पर लोकायुक्त छापे में चांदी की सिल्लियां, परिवहन विभाग के दस्तावेज, सील आदि मिले थे। उसके अगले दिन भोपाल में एक आवासीय प्लाट में खड़ी इनोवा कार में 52 किलो सोना और 11 करोड़ 60 लाख रुपये नकद मिले। यह कार सौरभ के करीबी चेतन गौर के नाम थी।आयकर विभाग ने यहां सोना भी जब्त किया था। ईडी ने भी प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन तीनों एजेंसियां अपनी जांच में यही पता नहीं कर पाईं कि कार में मिला सोना और नकदी का असली मालिक कौन है।

### पिछले साल हुआ था अस्थायी अटैचमेंट

नकदी और सोना को आयकर भोपाल की बेनामी विंग ने अगस्त 2025 में अस्थायी तौर पर अटैच कर लिया था। इसके बाद आयकर विभाग की बेनामी विंग ने इस संपत्ति को अटैच करने के साथ ही सौरभ और उसके करीबी चेतन को नोटिस जारी कर चार माह के भीतर जवाब मांगा गया था। जवाब में दोनों इस बात से मुकर गए कि संपत्ति उनकी है। इसके बाद संपत्ति को अंतिम रूप से अटैच करने के लिए मामला मुंबई स्थित अंतिम अथारिटी को भेजा गया था। वहां से हरी झंडी मिल गई है।

### सोने की कीमत बढ़ी 100 करोड़ी संपत्ति

अगस्त 2025 में जब आयकर विभाग की बेनामी इकाई ने संपत्ति को अस्थायी रूप से अटैच किया था, पूरी संपत्ति की कीमत 52 करोड़ रुपये थी, जो अब सोने की कीमत बढ़ने के करण 100 करोड़ रुपये हो गई है। सौरभ शर्मा अभी जेल में है।

## राजनीति

# अंतरराष्ट्रीय संबंधों में लोग अंधकार की तरफ बढ़ रहे हैं: राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में लोग ''अंधकार की ओर बढ़ रहे हैं' और ज्ञान से दूर हो रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता यह भी कहा कि चाहे राजनीति हो या अंतरराष्ट्रीय संबंध, दूसरे व्यक्ति को समझने की कोई कोशिश नहीं की जा रही और असहमति से मुकाबला करने के लिए हिंसा का सहारा लिया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, ''आज हम अपनी राजनीति में, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में देखते हैं कि हर कोई अंधकार की ओर भाग रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। दूसरे व्यक्ति को समझने की कोई कोशिश नहीं की जाती है, आप बस उन्हें बम से उड़ा देते हैं और मार देते हैं।" उन्होंने आरोप लगाया, ''हमारी राजनीति में भी ऐसा ही है। आप किसी से सहमत नहीं हैं, आप उस व्यक्ति पर हमला करते हैं या उनके प्रति हिंसक हो जाते हैं।" वह यहां महात्मा गांधी और सुधारवादी संत श्री नारायण गुरु के बीच हुई मुलाकात के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नारायण गुरु दोनों ऐसी हिंसा के खिलाफ थे और लोगों के बीच प्यार, सम्मान, क्षमा और समझ की पैरोकारी करते थे।

# CM नीतीश के बेटे निशांत कुमार कल ज्वाइन करेंगे JDU

## बिहार की राजनीति में बढ़ेगी हलचल

**पटना**। बिहार में गर्मी का मौसम आते ही सियासी पारा भी चढ़ने लगा है। एक तरफ नीतीश कुमार राज्य की कमान छोड़ अब राज्यसभा चुनाव लड़ रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर उनके बेटे निशांत कुमार सक्रिय राजनीति में एंट्री ले रहे हैं। निशांत कुमार 7 मार्च को आधिकारिक रूप से जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण करेंगे। सियासी गलियारों में चर्चा है कि निशांत को पार्टी में अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। अभी तक की जानकारी के अनुसार, जदयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार बिहार की यात्रा पर निकलेंगे। बता दें कि राज्यसभा में जाने के बाद नीतीश कुमार विधान परिषद की सदस्यता से याग पत्र देंगे। परिषद में नीतीश का कार्यकाल 2030 तक है। निशांत अगर राजनीति में सक्रिय होते हैं तो उन्हें परिषद में नीतीश कुमार का बचा हुआ कार्यकाल दिया जा सकता है।

# फागुन का महीना आते ही मन के किसी कोने में बचपन की होली फिर

से जीवित हो उठती है। आज जब रंगों का यह पर्व शहरों में औपचारिकता और शोर तक सिमटता दिखता है, तब स्मृतियों के पन्नों से मेरे छोटे से गांव सोयत की वह आत्मीय होली बार-बार सामने आ खड़ी होती है। सच तो यह है कि त्योहार केवल उत्सव का अवसर नहीं होते, वे हमारे सामाजिक और पारिवारिक संस्कारों के जीवंत विद्यालय भी होते हैं। मेरे बचपन में होली केवल रंग खेलने का दिन नहीं होती थी, बल्कि पूरे गांव की सामूहिक आत्मा का उत्सव होती थी। फागुन लगते ही गांव के चौक-चौराहों पर हलचल बढ़ जाती थी। दादा-दादी की आंखों में चमक और माता-पिता की व्यस्तता यह बता देती थी कि रंगों का पर्व आने वाला है। घर की महिलाएं गुजिया, पापड़ी और खुरमा बनाने में जुट जातीं, तो बच्चे लकड़ियां इकट्ठी करने की होड़ में लगे रहते। उस समय न कोई कृत्रिमता थी, न दिखावा-सिर्फ अपनापन था।

सोयत के उस छोटे से गांव में होलिका दहन एक सामूहिक संस्कार की तरह होता था। पूरा गांव एक ही स्थान पर एकत्र होता, जगह को साफ कर गोबर से लीपा जाता और विधि-विधान से होलिका स्थापित की जाती। दादा जी हमें बताते थे कि यह केवल अग्नि प्रज्ज्वलन नहीं, बल्कि मन के विकारों को जलाने का प्रतीक है। जब होलिका जलती, तो हम बच्चे उसकी परिक्रमा करते हुए मन ही मन अपनी छोटी-छोटी इच्छाएं भी अग्नि को सौंप देते थे। दूसरे दिन की होली तो जैसे रिश्तों का रंगमंच होती थी। सुबह होते ही पिता जी सबसे पहले बड़ों के चरण स्पर्श कर गुलाल लगाते और हमें भी यही संस्कार सिखाते। मां के आंचल की खुशबू में घुला गुलाल आज भी स्मृतियों में ताजा है। भाई-बहनों के साथ रंगों की नोक-झोंक, दोस्तों के साथ गलियों में दौड़-भाग और रिश्तेदारों का घर-घर आना-यह सब मिलकर होली को जीवंत बना देता था।

गांव की फाग मंडलियां देर रात तक ढोलक, झांझ और मंजीरों की थाप पर फाग गाती थीं। वह संगीत केवल कानों में नहीं, दिलों में उतरता था। देवर-भाभी की मर्यादित नोक-झोंक, बुजुर्गों की ठिठोली और बच्चों की खिलखिलाहट—इन सबके बीच होली सचमुच समरसता का पर्व बन जाती थी। किसी के मन में भय नहीं होता था कि कौन जबरन रंग डाल देगा या कोई असभ्यता करेगा। शालीनता ही उस उत्सव की असली पहचान थी। समय बदला, जीवन की रफ्तार बढ़ी और त्योहारों का स्वरूप भी बदलने लगा। आज डीजे के तेज शोर में ढोलक की मधुर थाप दब गई है। प्राकृतिक रंगों की जगह रासायनिक रंगों ने ले ली है। पहले जो होली दिलों को जोड़ती थी, वह कई जगह केवल औपचारिकता या दिखावे का माध्यम बनती दिखाई देती है। पड़ोसी अब दरवाजे पर नहीं आते, संदेशों के माध्यम से शुभकामनाएं भेजकर कर्तव्य पूरा कर लिया जाता है।